



लोक सभा सचिवालय  
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध  
संसद भवन, नई दिल्ली  
**LOK SABHA SECRETARIAT**  
Press and Public Relations Wing  
Parliament House, New Delhi

## प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

**YOUTH SHOULD FOCUS ON THEIR DUTIES: LOK SABHA SPEAKER/युवाओं को अपने कर्तव्यों पर जोर देना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष**

...

**YOUTH HAVE RESPONSIBILITY OF ACCELERATING DEVELOPMENT OF THE COUNTRY: LOK SABHA SPEAKER/देश के विकास को गति देने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी युवाओं पर ही है: लोक सभा अध्यक्ष**

...

**YOUTH SHOULD UNDERSTAND PHILOSOPHY OF OUR GREAT PERSONALITIES: LOK SABHA SPEAKER/युवाओं को हमारे महापुरुषों के विचारों को समझने की आवश्यकता है: लोक सभा अध्यक्ष**

...

**EVERY YOUTH SHOULD HAVE KNOWLEDGE OF CONSTITUTION: LOK SABHA SPEAKER/हर युवा को संविधान की जानकारी होनी चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष**

...

**LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES STUDENTS AT ANNUAL FUNCTION OF RAMJAS COLLEGE/रामजस कॉलेज के वार्षिकोत्सव में लोक सभा अध्यक्ष ने छात्रों को संबोधित किया**

...

**New Delhi; 30 July, 2022:** Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed teachers and students at the Annual function of Ramjas College, New Delhi, today.

On the occasion, Shri Birla observed that the youth need to understand the thoughts and philosophies of our great personalities. The responsibility of fulfilling the dreams for which they fought rests on the youth. Referring to the Azadi Ka Amrit Mahotsav, Shri Birla mentioned that India has scaled new heights of progress in these 75 years. Today it is the responsibility of the youth to take our country forward on the path of progress, Shri Birla opined. How we can bring change in our democratic country so that every citizen can be a stakeholder of progress? This responsibility is also of the youth, Shri Birla underlined.

Speaking further on the responsibility of the youth towards the country, Shri Birla observed that in a democracy, our duty does not end with casting a vote. After formation of Government, it is the responsibility of the youth to participate in every decision and policies of the Government. When a draft is brought before a legislature, the youth should study and analyse the draft and offer their suggestions. This will make legislations meaningful and robust, added Shri Birla.

Emphasizing on innovation, Shri Birla said that innovation should take place in all walks of life, and not just in start-ups. While making ourselves self-reliant, we should provide employment to others. Therefore, the youth of India should constantly experiment and innovate, said Shri Birla.

Speaking on character building in education, Shri Birla said that thousands of years ago, when students used to go to Gurukul, they were not only given education, but their character was also built. Today the world is moving forward towards material prosperity. But India is a country which has a rich spiritual and cultural heritage. It is our culture and civilization, on the basis of which the youth of India is displaying their talent in many fields in the world, today. They are leading big companies of the world because of their foundational education in India, said Shri Birla.

Shri Birla also said that as more than 65 percent population of India are youth, the path of progress of the country will also have to be decided by the them. Governments can only make policies, bring schemes, but the important responsibility of implementing them, accelerating the development of the country lies with the youth.

With their energy, hard work and ideas, youth will decide what India will be like after 25 years, Shri Birla said. He also added that in today's digital world there is a

need that the youth, women and other people of the country should become digitally literate; everyone should have knowledge of technology so that maximum employment opportunities can be created.

Shri Birla said that for the last more than 20 years, the participation of women, youth and under privileged sections of society is increasing continuously in our Parliament and Legislative Assemblies and as such their representation is also increasing. The participation of citizens in the electoral process is also increasing. He urged the youth to watch the proceedings of Parliament regularly to see how public representatives raise their problems in the House; how national-international subjects are discussed in the House and how agreements and dissent are expressed in democratic institutions. Shri Birla also urged that every youth should know about the Constitution. In this context, Shri Birla said that soon the Parliament Library would be made available online for all.

Speaking on the duty of youth towards the country, Shri Birla said that we should not only be conscious about our rights, but we also have some duties towards our country, which are necessary to be discharged. The youth have to put more emphasis on their duties because that is the guarantee of our rights.

**नई दिल्ली; ३० जुलाई, २०२२ :** लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज रामजस कॉलेज, नई दिल्ली, के वार्षिकोत्सव समारोह अध्यापकों और छात्रों में सम्बोधित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि आज देश के युवाओं को हमारे महापुरुषों के विचारों को समझने की आवश्यकता है। देश की आजादी की लड़ाई उन्होंने जिन सपनों के साथ लड़ी थी, उन सपनों को पूरा करने की जिम्मेदारी देश के युवाओं पर है। आजादी का अमृत महोत्सव का जिक्र करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि इन ७५ वर्षों में भारत ने प्रगति की नई ऊंचाई छुई है। आज हमारे देश को प्रगति के रास्ते पर ले जाने की जिम्मेदारी युवाओं की है। हमारे लोकतांत्रिक देश में हम किस तरीके से देश के अंदर बदलाव लाएं, देश की उन्नति के भागीदार बने, यह जिम्मेदारी भी युवाओं की है, श्री बिरला ने उल्लेख किया।

देश की प्रति युवाओं की जिम्मेदारी पर आगे बोलते हुए, श्री बिरला ने कहा कि सिर्फ वोट डालने से लोकतांत्रिक जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती। सरकार बनने के बाद युवाओं की जिम्मेदारी है कि वो सरकार के हर निर्णय और नीतियों में भागीदारी करें। जब किसी

विधेयक से पहले कोई ड्राफ्ट लाया जाता है, तो उस पर अपने सुझाव दें, विधेयक और कानूनों का अध्ययन करें और उनका विश्लेषण करें।

हर क्षेत्र में नवाचार पर जोर देते हुए श्री बिरला ने कहा कि सिर्फ स्टार्ट-अप ही नहीं, जीवन के हर क्षेत्र में नवाचार की जरूरत है। खुद को आत्मनिर्भर बनाते हुए हम दूसरों के लिए रोजगार की व्यवस्था करें, इसके लिए युवाओं को नवाचार का उपयोग करना जरूरी है।

शिक्षा में चरित्र निर्माण की बात करते हुए श्री बिरला ने कहा कि हजारों वर्ष पूर्व जब छात्र गुरुकुल जाते थे तो उन्हें मात्र शिक्षा ही नहीं दी जाती थी, बल्कि उनका चरित्र निर्माण भी किया जाता था। आज दुनिया भौतिक रूप से आगे बढ़ रही है। लेकिन भारत ऐसा देश है, जिसके पास एक समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत भी है। यह हमारे संस्कार और संस्कृति ही हैं, जिसके बल पर भारत का युवा आज दुनिया में अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहा है। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों का नेतृत्व आज भारत के युवा कर रहे हैं।

श्री बिरला ने यह भी उल्लेख किया कि भारत में 65 प्रतिशत से ज़्यादा संख्या युवाओं की है, इसलिए देश की तरक्की के रास्ते भी युवाओं को ही तय करने पड़ेंगे। सरकारें सिर्फ नीतियाँ बना सकती हैं, योजनाएं ला सकती हैं, लेकिन उन्हें इम्प्लीमेंट करने, देश के विकास को गति देने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी युवाओं पर ही है।

अपनी ऊर्जा, मेहनत और आइडियाज के बल पर युवा तय करेंगे कि 25 साल बाद का भारत कैसा होगा, श्री बिरला ने कहा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आज के डिजिटल विश्व में एक आवश्यकता यह भी है कि देश के युवा, महिलाएं और सभी लोग डिजिटल रूप से साक्षर बनें, सबको तकनीक का ज्ञान होना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा रोजगार की अवसर मिलें।

श्री बिरला ने कहा कि पिछले 20 से ज़्यादा वर्षों से हमारी संसद और विधान सभाओं में महिलाओं, युवाओं तथा उपेक्षित समाज की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, उनका प्रतिनिधित्व भी बढ़ रहा है। चुनावी प्रक्रिया में भी नागरिकों की भागीदारी बढ़ रही है।

उन्होंने युवाओं से आग्रह किया की संसद की कार्यवाही नियमित रूप से देखें कि किस प्रकार जनप्रतिनिधि समस्याओं को सदन में रखते हैं और किस प्रकार राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर सदन में चर्चा होती है तथा किस प्रकार लोकतान्त्रिक संस्थाओं में सहमति-असहमति को व्यक्त किया जाता है। श्री बिरला ने यह भी सलाह दी कि हर युवा को संविधान की जानकारी होनी चाहिए। इस सन्दर्भ में श्री बिरला ने कहा कि जल्द ही पार्लियामेंट लाइब्रेरी को सबके लिए ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जायेगा।

युवाओं के देश के प्रति कर्तव्य पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि हमें अपने अधिकारों के बारे में सचेत रहना आवश्यक है, परंतु अपने देश के प्रति हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं, जिनका निर्वहन आवश्यक है। हमें अपनी कर्तव्यनिष्ठा पर अधिक जोर देना है क्योंकि यही हमारे अधिकारों की गारंटी है।